परमात्म ऊर्जा

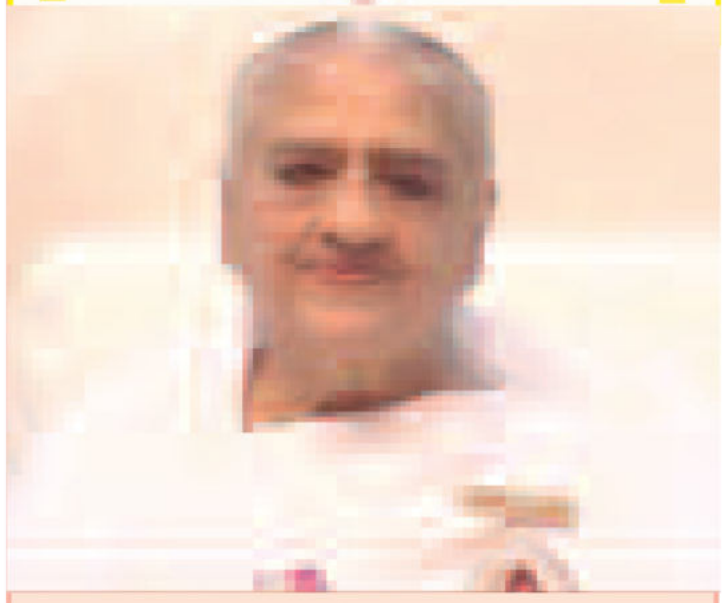

अगर कोई बड़े के हाथ में हाथ होता है तो छोटे की स्थिति बेफिक्र होती, निश्चिंत रहती है। तो समझना चाहिए - हर कर्म में बापदादा मेरे साथ भी है और हमारे इस अलौकिक जीवन का हाथ उनके हाथ में है अर्थात् जीवन उनके हवाले है। ज़िम्मेवारी उनकी हो जाती है। सभी बोझ बाप के ऊपर रख अपने को हल्का कर देना चाहिए। बोझ ही न होगा तो कुछ मुश्किल लगेगा? बोझ उतारने व मुश्किल को सहज करने का साधन है- बाप का हाथ और साथ। यह तो सहज है ना! फिर चाहे बाप स्मृति में आये, चाहे दादा स्मृति में आये। बाप की स्मृति आयेगी तो साथ में दादा की भी रहेगी ही। दादा की स्मृति से बाप की स्मृति भी रहेगी। अलग नहीं हो सकते। अगर साकार स्नेही बन जाते हो, तो भी और सभी से बुद्धि टूट जायेगी ना! साकार स्नेही बनना भी कम बात नहीं। साकार स्नेह भी सर्व स्नेह से, संबंधों से बुद्धियोग तोड़ देता है। तो अनेक तरफ से तोड़ एक तरफ जोड़ने का साधन तो है ना! साकार से निराकार तरफ याद आयेगा। साकार से स्नेह भी तब पैदा हुआ ना जब बाप, दादा दोनों का साथ हुआ। अगर बाप, दादा का साथ न होता तो साकार इतना प्रिय थोड़े ही होता। जैसे बाप, दादा दोनों साथ-साथ हैं वैसे आपकी याद भी साथ-साथ हो जायेगी। ऐसे कभी नहीं समझना कि मुश्किल है। सहज योगी बनो। मुश्किल योगी तो द्वापर से लेकर बनते आये। हठयोगियों को तो आप कट करते हो ना! आप भी सहज योगी न बने और फिर मुश्किल कहा, तो एक ही बात हो गई। सहजयोगी बनना है। यथार्थ याद है, निरन्तर सहजयोगी हो। सिर्फ अपनी स्टेज को बीच-बीच में पॉवरफुल बनाते जाओ। स्टेज पर हो, सिर्फ समय प्रति समय इस याद की स्टेज को पॉवरफुल बनाने के लिए अटेन्शन का फोर्स भरते हो। उतरती कला अब समाप्त हुई ना, व अभी भी है? तब तो चढ़ती कला में आ गये हो ना!

कथा सरिता

झूठ बोलना माना अविश्वसनीय बनना

एक बार चार दोस्त थे। चारों को पढ़ाई करना बिल्कुल भी पसंद नहीं था। चारों पूरी-पूरी रात पार्टी करते रहते थे। एग्ज़ाम के पहले दिन भी वो पार्टी कर रहे थे। और इसीलिए उन्होंने सोचा कि वो टीचर के पास जाकर उनसे झूठ कहेंगे और एग्ज़ाम बाद में कभी दे देंगे।

पार्टी करने के बाद दूसरे ही दिन चारों टीचर के पास गए और टीचर से झूठ बोलने लगे कि कल रात हम एक शादी में गए थे। शादी से घर लौटते समय हमारी गाड़ी का टायर पंक्चर हो गया। गाड़ी में ज़्यादा टायर नहीं था इसलिए हमें गाड़ी को धक्का मारते-मारते घर तक लाना पड़ा। हम कल रात इतना थक गए थे कि आज एग्ज़ाम देने के हालात में नहीं हैं। तो क्या हम बाद में एग्ज़ाम दे सकते हैं? "टीचर ने उनकी बात सुनी और उनसे कहा, "तुम एग्ज़ाम कल दे सकते हो।"

चारों ये सुनकर बहुत ही खुश हो गए। और घर जाकर पढ़ाई करने लगे। दूसरे दिन चारों एग्ज़ाम देने पहुंचे। टीचर ने उन्हें अलग-अलग क्लासरूम में बिठाया। क्वेश्चन पेपर में 2 ही प्रश्न थे। पहला तुम्हारा नाम क्या है और दूसरा,गाड़ी का कौन-सा टायर पंक्चर हो गया था? चारों ने झूठ कहा था इसीलिए चारों के उत्तर अलग-अलग थे। इस प्रकार से टीचर ने उनका झूठ पकड़ लिया।

शिक्षा : अपनी पढ़ाई को गंभीरता से लें, कभी झूठ न बोलें, अपने शिक्षकों का सम्मान करें।

रतलाम-डोंगरे नगर(म.प्र.)। दीपावली पर्व पर सजाई गई श्री लक्ष्मी की चैतन्य झाँकी के मध्य दीप प्रज्वलित करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सविता बहन, ब्र.कु. गीता बहन, समाजसेवी राजेंद्र पोरवाल तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

डोभी-नरसिंहपुर(म.प्र.)। विधायक संजय शर्मा को दीपावली की शुभकामनाएं देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. प्रीति बहन।

छतरपुर-किशोर सागर(म.प्र.)। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' थीम के अंतर्गत आयोजित 'जीवन का आधार गीता का सार' विषयक कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप से कर्नाटक से आईं राजयोगिनी ब्र.कु. वीणा बहन, वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र अग्रवाल, मुन्नीलाल ठेकेदार, एडवोकेट संजय मिश्रा, अकाउंट प्रोजेक्ट ऑफिसर राजेश रूपालिया, भोपाल से सरिता बहन महेंद्र भाई, छतरपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शैलजा बहन तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

अलीराजपुर-म.प्र.। दीपा की चौकी पर स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सभागृह में नगरवासी व मध्यप्रदेश राज्य के विभिन्न स्थानों से आए हुए इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के कॉन्स्टेबल्स को संबोधित करने के पश्चात् समूह चित्र में मुख्य वक्ता इंदौर से आये 'जीवन जीने की कला' के प्रणेता ब्र.कु. नारायण भाई, ब्र.कु. प्रतिभा बहन, ट्रेनर सीताराम, अमर सिंह, विषाप कॉन्स्टेबल तथा अन्य।

अटलादरा-वडोदरा(गुज.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा रिलायन्स मॉल के सामने, ओल्ड पादरा रोड पर आयोजित त्रिदिवसीय 'श्रीमद् भगवद्गीता का व्यवहारिक स्वरूप,सकारात्मक जीवन शैली और परमात्म अनुभूति शिविर' का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए राजमाता शुभांगिनी राजे गायकवाड,गायकवाड परिवार, विजय कुमार श्रीवास्तव,वाइस चांसलर,एमएसयू, शिवलाल गोयल,एम.डी.,कच्छ केमिकल लिमिटेड, शिविन्दर चावला,ग्रेन हार्ट टेक्नीक नितिन ठक्कर,जगदीश फूड्स प्रा.लि., डॉ.भरत मोदी,वेल्केर हॉस्पिटल, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु.उषा दीदी,माउंट आबू, ब्र.कु. राज दीदी,सेवाकेन्द्र संचालिका,मंगलवाड़ी सबज़ोन, ब्र.कु. अरुणा बहन,स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका, ब्र.कु. पूनम बहन,सह संचालिका,स्थानीय सेवाकेन्द्र तथा अन्य। कार्यक्रम में प्रतिदिन लगभग 2000 भाई-बहनों ने भाग लिया।

सूरत-कतारगाम(गुज.)। ब्रह्माकुमारीज़ सर्कल(स्तंभ) का ओ.आर.सी. गुरुग्राम की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी के वरद् हस्तों द्वारा विधिपूर्वक उद्घाटन हुआ। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।